

Serial No. 29



The knowledge of 32 Aagams in your phone

To subscribe please (9) Watts app - Jai Jinendra on +91 8104461579



Inspired by Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb



Avoiding Vigay is not a Sacrifice, it's Eternal Joy!



आप जातते हो की कौत सा त्यौहार बसंत और शरद ऋतु में आता है? यह ९ दित का पर्व साल में २ बार आता है।

पहला पर्व चैत्र वद महिने की सप्तमी से शुरू हो कर पूर्णिमा को समाप्त होता है और दूसरा पर्व आसोवद महिने की सप्तमी से शुरू होकर पूर्णिमा को समाप्त होता है।

Do you know, which festival is celebrated during Spring and Autumn months? It's a 9 day festival and comes twice a year.

 1^{st} festival starts from 7^{th} day of the bright Chaitra month and ends on the last day of bright Chaitra month that is Purnima. 2^{nd} festival starts from 7^{th} day of bright Ashwin month and ends on the last day of Ashwin month that is again on Purnima.





जैतिझम वैज्ञातिक सिद्धांतोपर आधारित है, जब चैत्र और अश्वित इत दो महितो में ऋतुए बदलती है तब हमारे शरीर में दोष, रोग उत्पन्न हो सकते हैं। इस त्यौहार से हमारा स्वास्थ्य स्वस्थ रहता है। ९ दित के इस त्यौहार को रसपरित्याग तप भी कहते हैं। यह रसेन्द्रिय पर विजयी होते का त्यौहार हैं। आहार की लोलुपता और पसंद तापसंद रखते की इच्छा यह मतुष्य का सामान्य स्वभाव है, इस पर काबू पाता याति यह पावत त्यौहार।

Jainism is based on scientific facts, when the season changes in the Chaitra and Aashwin months, the body is likely to suffer from health issues. Hence performing rituals of this festival helps the body to be fit and fine. This festival is also known as Rasparityag tapp. It's a festival to conquer rasendriya, a craving for delicious food. Liking and disliking for a particular food item is a natural human tendency.





पहला पद...First Padd...

"तमो अरिहंताणं"

"हे अरिहंत परमात्मा! आहार के प्रति मेरी आसिक्त कम हो ऐसी कृपा बरसाओं"

"Namo Arihantanam"

"Oh Arihant Parmatma!

please bless me so that...

I can reduce my

attachment towards food"

दूसरा पद...Second Padd...

"तमो सिद्धाणं"

"हे सिद्ध परमातमा! मेरा जीवन निष्पाप और निःस्वार्थ बने ऐसी कृपा बरसाओं"

"Namo Siddhanam"

"Oh Siddha Parmatma!
please bless me so that...
I can live sinless and
selfless life"

तिसरा पद...Third Padd...

"तमो आचरिचाणं"

"हे आचार्य भगवंत! स्व पर तियंत्रण रख्यु ऐसी कृपा बरसाओं"

"Namo Aayariyanam"

"Oh Aacharya Bhagwant! please bless me so that... I can control myself"

1 2 3



चौथा पद...Fourth Padd...

"तमो उवज्झायाणं"

"हे उपाध्याय भगवंत! मेरे अंदर का ज्ञान प्रगट हो ऐसी कृपा बरसाओं"

"Namo Uvajzayanam"

"Oh Upadhyay Bhagwant! please bless me so that... Right Knowledge emerges from within." पांचवां पद...Fifth Padd...

"तमो लोए सव्य साहूणं"

"हे साधु भगवंत! में मोक्ष मार्ग के लिए पुरुषार्थ करुं ऐसी कृपा बरसाओं"

> "Namo Loe Savva Sahunam"

"Oh Sadhu Bhagwant!

please bless me so

that... I strive hard to

follow the path of

Moksh."

छट्टा पद...Sixth Padd

"तमो ताणस्स"

"हे परमात्मा! आप जैसा सम्यक् ज्ञात प्रगट हो ऐसी कृपा बरसाओं"

"Namo Nannass..."

"Oh Parmatma! please bless me so that... I acquire Right knowledge like You."

4 5 6



सातवाँ पद...Seventh Padd...

"तमो दंसणस्स"

"हे परमातमा! आपके जैसा सम्यक् दर्शन प्रगट हो ऐसी कृपा बरसाओ"

"Namo Dansanass"

"Oh Parmatma!
please bless me so that... I
get Right Vision
like You"

आठवाँ पद...Eight Padd...

"तमो चरितस्स"

"हे परमातमा! आप के जैसे सद्गुण प्रगट हो ऐसी कृपा बरसाओं"

"Namo Charitassa"

"Oh Parmatma!
please bless me so that... I
get Virtues
like You"

जववाँ पद...Ninth Padd...

"तमो तवस्स"

"हे परमात्मा! आप के जैसा तपस्वी बनुं ऐसी कृपा बरसाओं"

"Namo Tavass"

"Oh Parmatma!
please bless me so that... I
become an ascetic
like You"

7 8 9



FOR MORE HINTS